कृषि व संबद्ध क्षेत्रों का जीडीपी में अंशदान बढ़ाने में एफपीओ की भूमिका अहम, सहकारिता मंत्री ने ये कहा

नई दिल्ली।

केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने देश में किसान उत्पादक संगठनों और प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) की भूमिका को अर्थव्यवस्था के लिहाज महत्वपूर्ण बताया है। इस दौरान उन्होंने एफपीओ को पैक्स समितियों के साथ हाइब्रिड मॉडल में काम करने का भी सुझाव दिया। शुक्रवार को केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री ने कहा कि देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कृषि व संबद्ध क्षेत्रों का योगदान विपणन गतिविधियों को मजबूती देकर बढ़ाया जा सकता है और इसमें किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) की अहम भूमिका होगी।

शाह ने एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आधुनिक प्रौद्योगिकी और विपणन पद्धतियों को अपनाने से कृषि एक लाभदायक उद्यम बन सकता है। इस लक्ष्य को हासिल करने में प्राथमिक कृषि ऋण समितियां (पैक्स) और एफपीओ मददगार बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि पैक्स सहकारी समितियों की तरफ से गठित एफपीओ व्यक्तियों, कंपनियों एवं साझेदारियों में बने एफपीओ की तुलना में किसानों को लाभ पहुंचाने में अधिक सक्षम हैं। शाह ने पहले से सक्रिय एफपीओ को पैक्स समितियों के साथ हाइब्रिड मॉडल में काम करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि पहले से गठित करीब 11,770 एफपीओ सहकारी समिति के सदस्यों को सेवाएं देने का करार कर खुद को पैक्स समितियों से जोड़ सकती हैं। ऐसा होने पर 65,000 से अधिक पैक्स समितियां एफपीओ के तौर पर काम कर सकती हैं। सहकारिता मंत्री ने कहा कि कृषि, पशुपालन एवं मत्स्यपालन क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और इन क्षेत्रों में वृद्धि होने से न केवल देश की जीडीपी बढ़ेगी बल्कि नए रोजगार अवसर भी सृजित होंगे।उन्होंने कहा कि कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र देश की जीडीपी में 17.5–18 प्रतिशत का योगदान दे रहे हैं जो अन्य क्षेत्रों से अधिक है। लेकिन सेवा क्षेत्रों में कार्यरत लोगों की तुलना में किसानों की हालत उतनी अच्छी नहीं है। शाह ने कहा, किसानों के आजीविका स्तर को सुधारकर सेवा क्षेत्र में कार्यरत लोगों की तरह बनाने के लिए हमें एफपीओ को स्वीकार करने की जरूरत है। सरकार ने वर्ष 2027–28 तक कृषि मंत्रालय के तहत 10,000 नए एफपीओ गठित करने का लक्ष्य रखा है। एफपीओ छोटे किसानों को खेती में बीज से लेकर प्रसंस्करण एवं विपणन जैसे सभी क्षेत्रों में मदद मुहैया कराते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार के नौ वर्षों के कार्यकाल में किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि क्षेत्र में उठाए गए कदमों का भी उल्लेख किया। शाह ने कहा कि वित्त वर्ष 2023–24 में कृषि क्षेत्र के लिए 1.15 लाख करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है जबकि वित्त वर्ष 2013–14 में यह 22,000 करोड़ रुपये था। उन्होंने कहा कि सरकार ने फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में खासी बढ़ोतरी की है।

न्यूज ब्रीफ

शेयर बाजार ने नया ऑल टाइम हाई बनाया: सेंसेक्स 502 अंक चढ़कर 66,060 पर बंद, निफ्टी भी अपने नए हाई पर पहुंचा

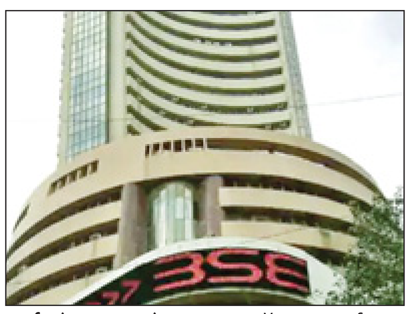

मुंबई। शेयर बाजार ने अपना नया ऑल टाइम हाई बनाया है। सेंसेक्स 502 अंक चढ़कर 66,060 स्तर पर बंद हुआ, यह इसका नया क्लोजिंग हाई है। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने अपना 66,159 का नया ऑल टाइम हाई और 52–वीक हाई भी बनाया। सेंसेक्स के 30 में से 19 शेयरों में तेजी और 11 में गिरावट रही। निफ्टी ने भी 150 अंक की तेजी के साथ 19,564 का अपना नया क्लोजिंग हाई बनाया। वहीं कारोबार के दौरान निफ्टी ने भी अपना 19,595.35 का नया ऑल टाइम हाई और 52–वीक हाई भी बनाया। टीसीएस, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, टेक, हिंडाल्को और आयर मोटर्स समेत निफ्टी–50 के 34 शेयरों में तेजी रही। पावर ग्रिड, डॉ रेड्डी, अल्ट्रा–टेक सीमेंट, टाइटन, मारुति, और सन फार्मा समेत निफ्टी के 16 शेयरों में गिरावट देखने को मिली। सेन्को गोल्ड की 36प्रतिशत प्रीमियम पर लिस्टिंग हुई। यह 431 रुपए/शेयर पर लिस्ट हुआ। वहीं यह 430 रुपए पर लिस्ट हुआ। इसका इश्यू प्राइस 317 रुपए था। कंपनी ने इस के जरिए 405 करोड़ रुपए जुटाए हैं। कंपनी दुबई, मलेशिया और सिंगापुर में ज्वेलरी एक्सपोर्ट करती है। इसके भारत के 13 राज्यों में 127 शोरूम हैं। आईटी कंपनी विप्रो ने फाइनेंशियल ईयर 2024 की पहली तिमाही के नतीजे जारी किए हैं। अप्रैल–जून तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट पिछले साल की इसी तिमाही के मुकाबले 11.95प्रतिशत बढ़कर 2,870 करोड़ रुपए रहा।

कोयला घोटाला केस: सीबीआई कोर्ट ने एनर्जी कंपनी और 6 अन्य को दोषी माना, सजा पर 18 जुलाई को सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली की सीबीआई स्पेशल कोर्ट ने गुरुवार को छत्तीसगढ़ कोल ब्लॉक आवंटन घोटाले के सभी 7 आरोपियों को दोषी ठहरा दिया। इनमें जेएलडी यवतमाल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, कंपनी के मैनेजमेंट से जुड़े 3 व्यक्ति, पूर्व कोयला सचिव और दो अन्य सरकारी कर्मचारी शामिल हैं। स्पेशल जस्टिस संजय बंसल ने इन्हें आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी करने का दोषी पाया। वहीं, धारा 409 के आरोपों में सभी को बरी कर दिया। दोषियों की सजा तय करने के लिए 18 जुलाई को सुनवाई होगी। गुरुवार को हुई सुनवाई में सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि जेएलडी यवतमाल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने छत्तीसगढ़ में फतेहपुर ईस्ट कोल ब्लॉक गलत फैक्ट्स पेश करके हासिल किया था। जांच एजेंसी ने बताया कि कोयला घोटाले से जुड़े मामलों में यह 13वीं दोषसिद्धि है। यवतमाल कंपनी को छत्तीसगढ़ में फतेहपुर ईस्ट कोल ब्लॉक आवंटित किया गया था। यह आवंटन कंपनी के मालिक की सिफारिश पर हुआ था।

एविएशन क्षेत्र में नया दौर शुरू, सिंधिया बोले- घरेलू एयरलाइनों के पास होंगे 1500 विमान, अभी हैं 720

नई दिल्ली। कंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने देश में नागर विमानन का भविष्य उज्जवल बताया बताया है।

उन्होंने देश के विमानन क्षेत्र में वृद्धि की शुरुआत होने की बात कही है। केंद्रीय मंत्री ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने कहा कि नागर विमानन क्षेत्र देश की आर्थिक वृद्धि में अपना योगदान दे रहा है। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने एयर इंडिया समेत अन्य एयरलाइन्स की ओर से बड़ी संख्या में विमानों की खरीद के लिए दिए गए ऑर्डर का भी जिक्र किया। दिल्ली हवाई अड्डे पर चौथे रनवे और ईस्टर्न क्रॉस टैक्सीवेज (ईसीटी) के उद्घाटन से पहले मंत्री ने कहा, भारत ऊंचा लक्ष्य लेकर चल रहा है..., यह (नागर विमानन क्षेत्र के) विकास के चरण की शुरुआत है। सिंधिया ने यह भी कहा कि उन्होंने दिल्ली हवाई अड्डे के संचालक डायल से अक्टूबर तक चौथा टर्मिनल तैयार करने को कहा है। जीएमआर समूह के समूह अध्यक्ष जीएम राव ने कहा कि ईसीटी और चौथे रनवे से परिचालन दक्षता बढ़ाने और क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। वह हवाई अड्डे पर चौथे रनवे और ईसीटी के उद्घाटन के मौके पर बोल रहे थे।

8 साल के निचले स्तर पर आई थोक महंगाई

जून में ये –4.12प्रतिशत रही, खाने–पीने की चीजें सस्ती होने से कम हुई महंगाई

नई दिल्ली।

जून महीने में थोक महंगाई दर यानी होलसेल प्राइस इंडेक्स घटकर –4.12प्रतिशत पर आ गई है। लगातार तीसरे महीने में गिरावट दर्ज की गई है। इतना ही नहीं थोक महंगाई का यह 8 साल का सबसे निचला स्तर भी है। इससे पहले अक्टूबर 2015 में ये –3.81प्रतिशत रही थी। मई महीने में यह –3.48प्रतिशत पर थी। वहीं पिछले साल जून 2022 में थोक महंगाई दर 15.18प्रतिशत पर रही थी।

खाने–पीने की चीजें सस्ती होने से कम हुई महंगाई – जून में थोक महंगाई की दर में गिरावट मुख्य रूप से मिनरल ऑयल्स, खाने–पीने की चीजें, बेसिक मेटल्स, क्रूड पेट्रोलियम और नेचुरल गैस और कपड़ों की कीमतें कम होने के कारण आई है। फूड इंडेक्स में थोक महंगाई जून में सालाना आधार पर 1.24प्रतिशत कम हुई, जबकि एक महीने पहले इसमें 1.59प्रतिशत की गिरावट आई थी। जून में प्राथमिक वस्तुओं की महंगाई घटकर 2.87प्रतिशत रह गई। फूड आइटम्स कैटेगरी में जून में सब्जियों की महंगाई 21.98प्रतिशत कम हुई, जबकि दालों और दूध की महंगाई 9.21प्रतिशत और 8.59प्रतिशत बढ़ गई।

ईंधन और बिजली की महंगाई दर में 12.63प्रतिशत की गिरावट – जून में ईंधन और बिजली की महंगाई दर में 12.63प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। मैन्युफैक्चर प्रोडक्ट की महंगाई मई में 2.97प्रतिशत कम होने के बाद जून में भी कम होकर 2.71प्रतिशत रह गई है। हालांकि, मासिक आधार पर मैन्युफैक्चर प्रोडक्ट की महंगाई में मई और जून में

0.50प्रतिशत की गिरावट देखी गई। ईंधन और बिजली कैटेगरी में पेट्रोल और एचएसडी महंगाई में क्रमशा 22.29प्रतिशत, 16.32प्रतिशत और 18.59प्रतिशत की गिरावट आई। क्रूड पेट्रोलियम की महंगाई जून में सालाना आधार पर 32.68प्रतिशत कम हुई है।

करीब 8 साल के निचले स्तर पर थोक महंगाई – थोक महंगाई का ये करीब 8 साल का निचला स्तर है। इससे पहले अक्टूबर 2015 को भारत की थोक महंगाई दर –3.81प्रतिशत रही थी। वहीं बीते 10 साल में थोक महंगाई के सबसे निचले स्तर की बात करें तो यह 14 सितंबर 2015 को –4.95प्रतिशत रही थी।

आम आदमी पर असर – थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है, तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए कंट्रोल कर सकती है। जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है।

निगेटिव महंगाई से भी प्रभावित होती है इकोनॉमी – महंगाई का निगेटिव में रहना भी इकोनॉमी पर प्रभाव डालता है। इसे डिफ्लेशन कहा जाता है। निगेटिव महंगाई तब होती है वस्तुओं की आपूर्ति उन वस्तुओं की मांग से ज्यादा हो जाती है। इससे दाम गिर जाते हैं और कंपनियों का प्रॉफिट घट जाता है। प्रॉफिट घटता है तो कंपनियां वर्कर्स को निकलाती हैं और अपने कुछ प्लांट या स्टोर भी बंद कर देती हैं।

महंगाई कैसे मापी जाती है – भारत में दो तरह की महंगाई होती है। एक रिटेल, यानी खुदरा और दूसरी थोक महंगाई होती है। रिटेल महंगाई दर आम ग्राहकों की तरफ से दी जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है। इसको कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स भी कहते हैं। वहीं, होलसेल प्राइस इंडेक्स का अर्थ उन कीमतों से होता है, जो थोक बाजार में एक कारोबारी दूसरे कारोबारी से वसूलता है। ये कीमतें थोक में किए गए सौदों से जुड़ी होती हैं। दोनों तरह की महंगाई को मापने के लिए अलग–अलग आइटम को शामिल किया जाता है। जैसे थोक महंगाई में मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की हिस्सेदारी 63.75प्रतिशत, प्राइमरी आर्टिकल जैसे फूड 20.02प्रतिशत और फ्यूल एंड पावर 14.23प्रतिशत होती है। वहीं, रिटेल महंगाई में फूड और प्रोडक्ट की भागीदारी 45.86प्रतिशत, हाउसिंग की 10.07प्रतिशत, कपड़े की 6.53प्रतिशत और फ्यूल सहित अन्य आइटम की भी भागीदारी होती है।

भारत में डब्लूपीआई तो अमेरिका में पीपीआई से मापते हैं महंगाई – डब्लूपीआई का इस्तेमाल भारत में महंगाई को मापने के लिए किया जाता है। डब्लूपीआई में बदलाव से फिस्कल और मॉनेटरी पॉलिसी चेंज बहुत ज्यादा प्रभावित होते हैं। वहीं अमेरिका में प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स का इस्तेमाल महंगाई को मापने के लिए किया जाता है।

जून में फुटकर महंगाई 4.81प्रतिशत पर पहुंची – वहीं जून में फुटकर महंगाई 4.81प्रतिशत पर पहुंच गई है। मई में यह 25 महीने के निचले स्तर 4.25प्रतिशत पर आ गई थी। जून में सब्जियों की ऊंची कीमतों के कारण महंगाई बढ़ी है। असमान मानसूनी बारिश ने फसलों को नुकसान पहुंचाया है जिससे दाम बढ़े हैं।

चावल निर्यात पर रोक लगा सकता है केंद्र, चुनावों से पहले महंगाई के जोखिम से बचना चाहती है सरकार

नई दिल्ली।

घरेलू बाजार में कीमतें थामने के लिए दुनिया का सबसे बड़ा निर्यातक भारत ज्यादातर किस्मों के चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा सकता है। अगर ऐसा हुआ तो अल-नीनो प्रभाव के कारण खाद्य महंगाई से पहले से ही जूझ रहे दुनियाभर के देशों में चावल की कीमतें और अधिक बढ़ सकती हैं। वैश्विक चावल निर्यात में भारत की 40 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी है।

रिपोर्ट में कहा कि केंद्र सरकार सभी गैर–बासमती चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने की योजना पर विचार कर रही है। हालांकि, अभी इस संबंध में कोई अधिसूचना जारी नहीं हुई है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि केंद्र सरकार विधानसभा चुनावों और उसके बाद अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले देश में अधिक महंगाई के जोखिम से बचना चाहती है। इसके अलावा, खराब मौसम की वजह से प्रमुख उत्पादक राज्यों में चावल की बुवाई पर असर पड़ा है। इसलिए, गैर–बासमती चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने पर विचार चल रहा है। उधर, बुधवार को सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, जून में खुदरा महंगाई बढ़कर तीन महीने के उच्च स्तर 4.81 फीसदी पर पहुंच गई है।

प्रभावित होगा 80प्रतिशत निर्यात

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि

गैर–बासमती चावल के निर्यात पर पाबंदी लगाने के सरकार के फैसले भारत के करीब 80 फीसदी चावल निर्यात पर असर पड़ सकता है। चावल दुनिया की लगभग आधी आबादी का मुख्य भोजन है। एशिया में वैश्विक आपूर्ति का करीब 90 फीसदी चावल उपभोग के लिएइस्तेमाल होता है।

वैश्विक बाजार में दाम 11 साल के शीर्ष पर

अल–नीनो प्रभाव के कारण सूखा पड़ने की आशंका से आयातकों ने आक्रामक तरीके से भंडार बढ़ाना शुरू कर दिया है। वैश्विक बाजार में चावल के दाम 11 साल के शीर्ष पर पहुंच गएहैं।

300 रुपये किलो तक पहुंच सकता है टमाटर

टमाटर की लगातार बढ़ रही कीमतों में फिलहाल गिरावट की कोईउम्मीद है।आने वाले समय में इसके दाम और बढ़ेंगे।कृषि विशेषज्ञ एवं नेशनल कमोडिटीज मैनेजमेंट सर्विसेज लि. (एनसीएमएल) के एमडी–सीईओसंजय गुप्ता ने कहा, बारिश की वजह से अभी टमाटर की नई फसल नहीं लगाई जा रही। पुरानी फसलें भारी मात्रा में खराब हो रही हैं।ऐसे में आने वाले एक–दो महीने में टमाटर की कीमत 300 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच सकती है।संजय ने कहा, बारिश थमने के बाद यानी सितंबर के बाद ही इसकी कीमतों पर दोबारा अंकुश लगने का अनुमान है।

दिल्ली-एनसीआर में टमाटर 90 रुपए में: सरकारी एजेंसी ने 130 के रेट पर खरीदा, पर सस्ते में बेच रही; अन्य शहरों में जल्द शुरुआत

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने शुक्रवार (14 जुलाई) को दिल्ली–एनसीआर में टमाटर की बढ़ती कीमतों कम करने का प्लान लागू कर दिया है। इस प्लान के तहत एग्रीकल्चर मार्केटिंग एजेंसी भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ शहर में टमाटर 90 रुपए प्रति किलो के प्राइस पर बेच रही हैं। अभी देशभर में कई जगहों पर टमाटर 200 रुपए प्रति किलो बिक रहा है। दिल्ली–एनसीआर के बाद अन्य शहरों में भी जल्द सरकार अन्य शहरों में भी सस्ते में टमाटर बेचना शुरू करेगी। दिल्ली पहले दिन शुक्रवार को करोल बाग, पटेल नगर, पूसा रोड, नेहरू प्लेस सीजीओ, नोएडा सेक्टर 78, परी चौक, ग्रेटर नोएडा और रजनीगंधा चौक पर टमाटर की बिक्री कर रहा है। शुक्रवार को दिल्ली–एनसीआर में लगभग 17,000 किलो टमाटर बेचेगा। इसके बाद अगले दिन शनिवार को लगभग 20,000 किलो टमाटर बेचने की योजना है और फिर उसे बढ़ाकर हर दिन 40,000 करने की योजना है। मैनेजिंग डायरेक्टर एनीस जोसेफ चंद्रा ने कहा, हमने टमाटर बेचने की कीमत 90 रुपए प्रति किलो तय की है, जबकि खरीदी दर 120–130 प्रति किलो है। इससे होने वाले नुकसान को केंद्र सरकार उठाएगी। दक्षिणी और

पश्चिमी क्षेत्रों का कुल उत्पादन में लगभग 60प्रतिशत योगदान टमाटर का उत्पादन लगभग हर भारतीय राज्य में होता है। वहीं दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्रों का देश के कुल उत्पादन में लगभग 60प्रतिशत योगदान होता है। इन क्षेत्रों में हुए ज्यादा उत्पादन का उपयोग भारत के अन्य हिस्सों में टमाटर की निरंतर सप्लाई को सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है। मानसून में टमाटर के उत्पादन में कमी से बढ़ती हैं कीमतें अलग–अलग क्षेत्रों में मौसम के हिसाब से उत्पादन की मात्रा कम–ज्यादा रहती है। देश के ज्यादातर क्षेत्रों में टमाटर का ज्यादा उत्पादन दिसंबर से फरवरी के बीच होता है। जुलाई–अगस्त और अक्टूबर–नवंबर में टमाटर का उत्पादन कम होता है। जुलाई में मानसून शुरू होने से टमाटर के उत्पादन में कमी आती है और कीमतें बढ़ जाती हैं। चीन के बाद भारत सबसे बड़ा टमाटर उत्पादक देश नेशनल हॉर्टिकल्चरल रिसर्च एंड डेवलपमेंट फाउंडेशन के अनुसार, चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा टमाटर उत्पादक देश भारत है। ये करीब 7.89 लाख हेक्टेयर क्षेत्र से लगभग 25.05 टन प्रति हेक्टेयर की औसत उपज के साथ करीब 2 करोड़ टन टमाटर का उत्पादन करता है।

ट्विटर ने की ऐड रेवन्यू शेयरिंग प्रोग्राम शुरू करने की घोषणा, यूजर को मिलेगा पैसे कमाने का मौका

नई दिल्ली।

माइक्रोब्लॉगिंग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर के यूजर के लिए अच्छी खबर है। दरअसल, ट्विटर अपने क्रिएटर्स के साथ रेवन्यू (आय) साझा करने की तैयारी में है। सोशल मीडिया दिग्गज ट्विटर ने बहुत जल्द ऐड रेवन्यू शेयरिंग प्रोग्राम लॉन्च करने की घोषणा की है। हालांकि, मुद्रीकरण के लिए योग्यताएं काफी चुनौतीपूर्ण होंगी। इससे अधिकांश यूजर पैसे कमाने की दौड़ से बाहर हो सकते हैं। ट्विटर ने एक ट्वीट के जरिए यह जानकारी दी है। ट्विटर ने लिखा, अद्भुत! हम राजस्व साझा करने के लिए तैयार हैं। आपको बहुत जल्द अपना हिस्सा मिलेगा। अधिक जानकारी के लिए अपना ईमेल चेक करें। वहीं, वर्ल्ड ऑफ स्टैटिस्टिक्स ने ट्वीट किया, बड़ी घोषणा: ट्विटर क्रिएटर्स के साथ राजस्व साझा करने का प्रोग्राम शुरू कर रहा है। आपको बता दें कि पिछले महीने ट्विटर के मालिक एलन मस्क ने घोषणा की थी कि

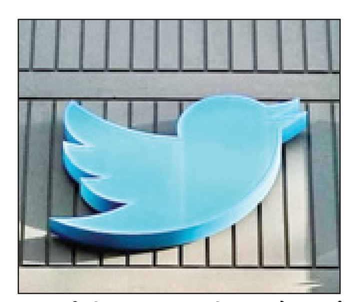

जल्द ही ट्विटर पर ब्लू टिक वाले यूजर्स अपने ट्वीट के साथ में अन्य सत्यापित उपयोगकर्ताओं को दिखाए गए विज्ञापनों से होने वाली आय का हिस्सा पाने के लिए सक्षम होंगे। मस्क ने घोषणा की थी कि यह सुविधा कुछ हफ्तों में उपलब्ध होगा। इसलिए माना जा रहा है कि ट्विटर कभी भी इस प्रोग्राम की घोषणा कर सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ट्वीट के मुद्रीकरण के लिए जरूरी योग्यताएं अधिक होंगी। मुद्रीकरण के लिए जरूरी शर्तें ट्विटर ब्लू टिक/सत्यापन के साथ सक्रिय सदस्यता

पिछले तीन महीनों में हर माह में पांच मिलियन या इससे अधिक ट्वीट इंप्रेशन

हालांकि, अभी ट्विटर ने इन शर्तों की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। भारतीय यूजर्स के लिए ये शर्तें काफी कड़ी हो सकती हैं, क्योंकि बहुत कम सक्रिय ट्विटर यूजर्स इसे हासिल कर पाएंगे। ट्विटर पर अच्छी आय अर्जित करने के लिए पांच मिलियन से अधिक इंप्रेशन पाने के लिए किसी भी उपोगकर्ता को बहुत सारे ट्वीट करने होंगे। इससे विज्ञापन दिखाने के लिए बहुत सारे अवसर मिलेंगे। इस स्तर पर अभी यह अंदाजा लगाना मुश्किल है कि क्या ट्विटर यूजर इस प्रोग्राम से वास्तव में कमाई की उम्मीद कर सकते हैं। लेकिन भविष्य में यह टॉप क्रिएटर्स के लिए एक महत्वपूर्ण आय का स्रोत बन सकता है।

वॉट्सऐप ग्रुप में नहीं दिखेगा आपका फोन नंबर

कंपनी ने बीटा यूजर्स के लिए रोल आउट किया फोन नंबर प्राइवेसी फीचर

नई दिल्ली।

इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप वॉट्सऐप में जल्द ही फोन नंबर प्राइवेसी फीचर मिलने वाला है। इस फीचर से वॉट्सऐप ग्रुप में कोई भी आपका नंबर नहीं देख पाएगा। मेटा की स्वामित्व वाली कंपनी ने फिलहाल इस फीचर को सिर्फ कुछ बीटा यूजर्स के लिए अवेलेबल कराया गया है। टेस्टिंग के बाद जल्द ही इस फीचर को अन्य यूजर्स भी इस्तेमाल कर सकेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, फोन नंबर प्राइवेसी फीचर को दोनों ऑपरेटिंग सिस्टम के लिए रोल आउट किया है। अगर आप इस फीचर का इस्तेमाल करना चाहते हैं तो लेटेस्ट बीटा अपडेट को इंस्टॉल करना होगा। अपडेट के बाद यूजर्स को कम्यूनिटी में 'फोन नंबर प्राइवेसी' लेवल से का एक नया ऑप्शन शो हो जाएगा।

सिर्फ ये लोग ही देख सकेंगे आपका फोन नंबर

'फोन नंबर प्राइवेसी' फीचर यूजर्स को वॉट्स ऐप कम्यूनिटी में अपने फोन नंबर छिपाकर प्राइवेसी बनाए रखने में मदद करता है। रिपोर्ट में बताया कि, इस फीचर को इनेबल करने के बाद यूजर्स का फोन नंबर सिर्फ कम्यूनिटी एडमिन और उन लोगों को दिखाई देगा, जिनके पास उसका नंबर कॉन्टैक्ट लिस्ट में सेव है। हालांकि ये प्राइवेसी फीचर सिर्फ ग्रुप के मैंबर्स पर लागू होगा, ग्रुप एडमिन का नंबर सभी को दिखाई देगा।

अप्रैल में रोल आउट किए थे 3 नए सिक्योरिटी फीचर्स

इससे पहले वॉट्सऐप ने अप्रैल में 3 नए सिक्योरिटी फीचर्स रोल आउट किए थे। वॉट्सऐप ने दावा किया था कि ये नए फीचर यूजर को पहले से ज्यादा सिक्योरिटी और प्राइवेसी देंगे। इन फीचर्स में अलर्ट, वायरस आदि के लिए बैक एंड चेक और ऑटोमेटेड सिक्योरिटी कोड वेरिफिकेशन आदि शामिल हैं।

इससे यूजर्स को वायरस के जरिए होने वाली धोखाधड़ी से सिक्योरिटी मिलेगी। एप की प्राइवेसी और सिक्योरिटी के लिए है। तीनों फीचर्स को पाने के लिए आप अपने वॉट्सऐप को अपडेट कर सकते हैं।

तीनों फीचर क्या मिलेगा

अकाउंट प्रोटेक्ट : नए फीचर के तहत अगर यूजर अपने वॉट्सऐप अकाउंट को नए डिवाइस पर स्विच करते हैं तो सिस्टम आपके पुराने डिवाइस पर इसकी वैरिफिकेशन मांगेगा जिससे ये पता चलेगा कि ये आप ही हैं जो नए डिवाइस पर अपना अकाउंट चेक कर रहे हैं। इसका फायदा ये है कि इससे आपको उस समय अलर्ट मिलेगा जब कोई और आपके अकाउंट को खोलने की कोशिश करेगा।

डिवाइस वेरीफिकेशन : वॉट्सऐप ने मोबाइस डिवाइस मैलवेयर से यूजर के अकाउंट को बचाने के लिए डिवाइस वेरीफिकेशन फीचर शुरू किया है। ये फीचर यूजर को बिना उसकी अनुमति के दूसरों को मैसेज भेजने से रोकेगा। जिससे मैलवेयर के जरिए कोई यूजर के अकाउंट का गलत इस्तेमाल नहीं कर पाएगा।

ऑटोमैटिक सिक्योरिटी कोड : ये फीचर यूजर्स की प्राइवेसी को बनाए रखने के लिए दिया गया है। जिसमें यूजर खुद ही सिक्योर कनेक्शन को वेरिफाई कर सकेंगे।

भारत में 48 करोड़ से ज्यादा वॉट्सऐप यूजर

भारत में करीब वॉट्सऐप के करीब 48.9 करोड़ यूजर हैं। वहीं दुनियाभर में इसके 2 अरब से भी ज्यादा यूजर हैं। वॉट्सऐप को साल 2009 में लॉन्च किया गया था। 2014 में फेसबुक ने वॉट्सऐप को 19 बिलियन डॉलर में खरीदा था।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल–462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल–462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन–0755–2550900–01,–03, फैक्स नं.– 0755–2553914 e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) रजिस्टर्ड नं.म.प्र./296/भोपाल/2012–2014 आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, डाक पंजीयन क्र. म.प्र./भोपाल/296/2015–2017